satvikly

# दीवाली पूजा की तैयारी

DIWALI PUJA SETUP

चौकी, पूजा की थाली, कलश, दीपक और भोग कहाँ रखें



घर में पूजा की व्यवस्था का उदाहरण

## चित्र में क्या कहाँ रखा है?

### 1 पीछे: चौकी और मूर्तियाँ

समतल कपड़े पर मूर्तियाँ रखें। कलश हो तो उसका तला भी पूरा चौकी पर रहे।

### 2 सामने: पूजा की थाली और भोग

रोली, चंदन और चावल एक थाली में हैं। फल और मिठाई की थाली अलग है।

### 3 जल का पात्र और खाली कटोरी

चम्मच से जल लेने का पात्र पास रखें। खाली कटोरी हाथ धोने का जल इकट्ठा करने के लिए है।

### 4 दीपक और आपका आसन

दीपक के नीचे गर्मी सहने वाला आधार हो। आसन ऐसा रखें कि बर्तनों से घुटने न टकराएँ।

# चौकी और मूर्तियाँ कैसे रखें?

चौकी हिले नहीं और बैठने पर दोनों मूर्तियाँ सामने दिखें।



**गणेश जी: आपके बाएँ** **लक्ष्मी जी: आपके दाएँ**

यह क्रम सामने बैठे व्यक्ति की ओर से दिखाया गया है। घर में अलग क्रम हो तो वही अपनाएँ।

## बैठने की दिशा कैसे तय करें?

### मुख पूर्व की ओर

चौकी के पश्चिम में बैठें। मूर्तियाँ आपकी ओर, यानी पश्चिम की ओर होंगी।

### मुख उत्तर की ओर

चौकी के दक्षिण में बैठें। मूर्तियाँ आपकी ओर, यानी दक्षिण की ओर होंगी।

ये बैठने के दो विकल्प हैं। घर में स्थायी रूप से स्थापित प्रतिमा हो तो उसके सामने बैठें।

### मूर्तियाँ रखने से पहले

कपड़े की सिलवटें हटाएँ। मूर्तियाँ चौकी के किनारे से पीछे रखें और सामने पूजा करने की जगह छोड़ें।

# कलश कैसे तैयार करें?

आपके घर की पूजा में नारियल वाला कलश रखा जाता है तो यह तैयारी करें।



### 1 जल भरें

साफ कलश में जल लें। इतना खाली स्थान छोड़ें कि पत्ते लगाने पर जल न छलके।

### 2 पत्ते और नारियल रखें

आम के पत्तों वाली विधि में पत्ते कलश के मुख पर लगाएँ। ऊपर पूरा नारियल टिकाएँ।

### 3 चौकी पर जगह दें

मूर्तियों के पास कलश रखें। नारियल स्थिर हो और पत्ते मूर्तियों के चेहरे न ढकें।

कलश दाएँ रखना है या बाएँ, इसके लिए अपने घर का क्रम अपनाएँ। उठते-बैठते हाथ कलश से न टकराए।

## पूजा का जल अलग पात्र में लें



### पंचपात्र या साफ कप और चम्मच

चम्मच से जल लेने के लिए अलग पात्र रखें। आचमन, यानी विधि के अनुसार थोड़ा जल ग्रहण करने के लिए, पीने योग्य जल लें।

साथ की खाली कटोरी में हाथ धोने का जल लें। इसे पीने या भोग के जल में न मिलाएँ।

**लघु नारियल और कलश पर रखा जाने वाला पूरा नारियल अलग हैं।**

# पूजा की थाली में क्या रखें?

रोली, चंदन और अक्षत के लिए तीन अलग छोटी कटोरियाँ लें।




**अक्षत: साबुत चावल**

| | |
|---|---|
| **रोली / कुमकुम** | थोड़ा चूर्ण अलग कटोरी में निकालें। |
| **चंदन** | तैयार लेप अपनी अलग कटोरी में रखें। |
| **अक्षत** | साबुत चावल के लिए सूखी कटोरी लें। |
| **फूल** | ताजे फूल लें। गणेश पूजन में दूर्वा चढ़ाते हों तो अलग रखें। |
| **मौली** | धागा समेटकर रखें, ताकि कटोरी उठाते समय न उलझे। |

हल्दी या अन्य सामग्री अपनी पूजा विधि के अनुसार जोड़ें। कटोरियाँ रखने का क्रम सुविधा के लिए है।

# दीपक, भोग, जल और धूप

पूजा की सामग्री उठाते समय हाथ जलती लौ के ऊपर से न जाए।

## दीपक और आरती



दीया गर्मी सहने वाली थाली में सीधा टिकाएँ। थाली के किनारे पर पकड़ने की जगह छोड़ें।

## भोग और पीने का जल



फल और मिठाई अलग थाली में रखें। पीने का जल साथ रखें। अर्पित करने तक भोग ढक दें।

## जल और खाली कटोरी



जल लेने का पात्र और हाथ धोने का जल इकट्ठा करने वाली कटोरी अलग रखें।

## धूप और राख का पात्र



धूपदान के नीचे राख पकड़ने वाला पात्र रखें। इसे भोग, फूल और खुले पैकेट से दूर रखें।

### पूजा की थाली से ही आरती करनी हो

पहले कटोरियाँ, फूल, धागा और चावल हटाएँ। फिर दीया रखें। मूर्तियाँ, कलश और भोग अपनी जगह रहने दें।

**दीपक से कपड़ा, कागज़ और पैकेट दूर रखें। जलता दीपक या धूप बिना निगरानी न छोड़ें।**

# छोटी जगह में चौकी कैसे सजाएँ?

चौकी पर मूर्तियाँ रखें। बर्तन पास की मजबूत मेज पर रख सकते हैं।



आसन से मेज तक हाथ पहुँच सके और उठते समय मेज से टक्कर न लगे।

## जगह कम हो तो

थाली या कटोरियाँ एक-दूसरे के ऊपर न रखें। अतिरिक्त पैकेट और खाली डिब्बे पूजा की जगह से हटा दें। दीये के लिए कपड़े से दूर अलग स्थान छोड़ें।

### मूर्ति की जगह तस्वीर रख रहे हैं?

फ्रेम को मजबूत सहारा दें। तस्वीर पर जल या पंचामृत न डालें। जल अर्पित करने के लिए अलग पात्र रखें।

मिट्टी या रंगी हुई मूर्ति को तभी स्नान कराएँ, जब वह जल से खराब न होती हो।

# पूजा से पहले यह जाँच लें

तैयारी पूरी होने पर हर खाने में टिक लगाएँ।

- ☐ चौकी, मूर्तियाँ या तस्वीर मजबूती से टिकी हैं।
- ☐ कलश रखा है तो नारियल खिसक नहीं रहा है।
- ☐ बैठे हुए फूल, कटोरियाँ और चम्मच उठा सकते हैं।
- ☐ पूजा का जल, भोग का जल और हाथ धोने का जल अलग हैं।
- ☐ भोग रोली, चंदन और धूप की राख से दूर है।
- ☐ आरती की थाली बिना टकराए उठा और वापस रख सकते हैं।
- ☐ दीपक के पास कपड़ा, कागज़ या खुले पैकेट नहीं हैं।
- ☐ पूजा विधि और अपने शहर का मुहूर्त देख लिया है।

## किट के अलावा क्या जुटाएँ?

| | |
|---|---|
| **पूजा का स्थान** | मूर्ति या तस्वीर, चौकी और बैठने का आसन। |
| **बर्तन** | थाली, छोटी कटोरियाँ, जल का पात्र, चम्मच और धूपदान। |
| **ताजी सामग्री** | फूल, फल और आपकी पूजा में चढ़ाई जाने वाली मिठाई। |
| **कलश रखते हों तो** | कलश, पत्ते और पूरा नारियल अलग से लें। |

पहले घर में मौजूद वस्तुओं से मिलान करें। फिर अपने चुने Basic या Complete पैक की सामग्री देखें।

Diwali Puja Kit की पूरी सूची देखें • पूजा विधि हिंदी में पढ़ें

satvikly

॥ शुभं भवतु ॥

DIWALIPUJAKIT

# पूजा किट ऑर्डर करें

लक्ष्मी-गणेश पूजा के लिए Satvikly Diwali Puja Kit देखें।
Basic में 31 और Complete में 40 प्रकार की सामग्री है।
फूल, फल, मूर्ति और पूजा के बर्तन अलग से लें।

QR स्कैन करें · SCAN TO ORDER

satvikly.com/product/diwali-puja-kit/

WHATSAPP/PHONE

+91 931 178 0821